CLASS : 10th (Secondary) **3551/3501**

Series : Sec. M/2018

Total No. of Printed Pages : **24**

SET : A, B, C & D

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI

(Academic/Open)

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will*

ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

(ii) *शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

(iii) *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

(iv) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(v) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

(vi) *मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

सामान्य निर्देश :-

(i) अंक-योजना में दिए गए मूल्य-बिन्दु एवं उत्तर-संकेत अंतिम नहीं हैं। ये मात्र सुझावात्मक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु सही उत्तर दिए हैं। तो भी उसे उचित अंक दिए जाएँ। पूर्णरूप से सही उत्तर की स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।

(ii) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

(iii) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

अपेक्षित मूल्य बिन्दु एवं उत्तर-संकेत

SET – A

खण्ड - क

1. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ग) अन्तः, निस् 1 + 1 = 2

(घ) सात्विक, स्तुति 1 + 1 = 2

(ङ) कोई भी ***दो-दो*** पर्यायवाची शब्द स्वीकारें। 2

(च) भँवरा, सखी, कोयल। इच्छा, कामदेव, कार्य, वासना।
1 + 1 = 2

(छ) जब शब्द वाक्य के अंग के रूप में प्रयुक्त होता है तो पद कहलाता है। 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) ***चौपाई :*** यह मात्रिक समछंद हैं। इसके प्रत्येक चरण में **16–16** मात्राएँ होती हैं। अंत में प्रायः जगण-तगण नहीं होते। 2

3. ***निबंध-लेखन :***

(i) कलात्मक प्रस्तावना 1

(ii) विषय-वस्तु की प्रस्तुति 2

(iii) भाषा-शैली की विशिष्टता 2

(iv) प्रभावशाली समापन 1

4. ***पत्र-लेखन :***

(i) प्रारम्भ और अंत की औपचारिकताएँ $1\frac{1}{2}$

(ii) विषय की प्रस्तुति 3

(iii) शुद्ध भाषा-प्रयोग $1\frac{1}{2}$

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही विकल्प का ***एक*** अंक है : $1 \times 8 = 8$

(क) (iii) गुड़

(ख) (iv) सहस्रबाहु

(ग) (iv) मोर है

(घ) (i) मधुर चाँदनी रातों की

(ङ) (iii) अज्ञात

(च) (i) कवि की झोंपड़ी में

(छ) (i) चाँद

(ज) (i) नौसिखिया

6. (i) ऋतुराज, 'कन्यादान'। $1 \times 5 = 5$

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) सचेत रहने की शिक्षा।

(iv) उनके प्रति नारी का मोह एवं आकर्षण ही बंधन है।

(v) असत्य को सत्य, अवास्तविक को वास्तविक समझने का।

7. श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का चित्रण। 2, 2

सवैया छंद। ब्रजभाषा। अनुप्रास, रूपक अलंकार। माधुर्यगुण। गेयता। प्रवाहमयी, भावानुकूल भाषा।

8. 'आत्मकथ्य' कविता में जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति है। कवि ने अपने जीवन की कथा को सामान्य व्यक्ति की कथा बताया है। यथार्थ की स्वीकृति एवं महान कवि की विनम्रता है।

अथवा

कवि के मन में प्रसन्नता एवं स्नेह। छविमान मुस्कान से जीवन धन्य होना। 3

खण्ड – ग

9. प्रत्येक सही विकल्प के लिए ***एक*** अंक है : $1 \times 8 = 8$

(क) (ii) हालदार साहब

(ख) (iv) बीमारी से

(ग) (i) पतनशील सामंती वर्ग

(घ) (iii) 47

(ङ) (ii) हिन्दी

(च) (iv) मंडन मिश्र

(छ) (ii) सोन

(ज) (i) संस्कृति का

10. (i) एक कहानी यह भी (मन्नू भण्डारी) $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

(ii) आजाद हिन्द फौज़ के मुकदमें के सिलसिले में अजमेर में विद्यार्थियों द्वारा हड़ताल का आह्वान। 1

(iii) विशिष्ट बनने-बनाने की लालसा और सामाजिक छवि। 1

(iv) दोनों प्रवृत्तियाँ विरोधी हैं। इनका एक साथ चलना असम्भव था। 1

11. **रामवृक्ष बेनीपुरी :** बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेनीपुर गाँव में 1899 में जन्म। स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ना। सन् 1968 में निधन। 1

'पतितों के देश में' (उपन्यास), 'चिता के फूल' (कहानी) अंबपाली (नाटक), माटी की मूरतें (रेखाचित्र), पैरों में पंख बाँधकर (यात्रा वृतांत), जंजीरें और दीवारें' (संस्मरण)। स्वाधीनता की चेतना। मनुष्य की चिन्ता और इतिहास की युगानुरूप व्याख्या। विशिष्ट शैली।

अथवा

महावीर प्रसाद द्विवेदी : ग्राम दौलतपुर जिला रायबरेली (उ० प्र०) में सन् 1864 में जन्म हुआ। आर्थिक अभाव के कारण स्कूली शिक्षा अधूरी। रेलवे में नौकरी। सन् 1903 में नौकरी छोड़कर सरस्वती पत्रिका का सम्पादन आरम्भ। सन् 1938 में निधन। सम्पादक, भाषा-वैज्ञानिक, इतिहासकार, कवि, अर्थशास्त्री, लेखक एवं अनुवादक।

रचनाएँ : रसज्ञ रंजन, साहित्य सीकर, साहित्य संदर्भ (निबंध संग्रह)। गद्य की भाषा का परिष्कार। व्याकरण और वर्तनी के नियम स्थिर किए। कविता ब्रज की अपेक्षा खड़ी बोली में। सरसता एवं व्यंग्य। 6

12. यह कहानी देश के करोड़ों नागरिकों के योगदान को रेखांकित करती है, जो इस देश के निर्माण में अपने-अपने तरीके से योगदान देते हैं। 2

खण्ड – घ

13. सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं : $2 \times 5 = 10$

(क) ***'माता का अंचल' पाठ का मूल भाव :*** शहर की चकाचौंध से दूर ग्रामीण अंचल और उसके चरित्रों का अनोखा चित्रण है। बालकों का खेल, कौतूहल, माँ की ममता, पिता का दुलार, लोकगीत आदि का वर्णन।

(ख) अंग्रेजी राज्य में जॉर्ज पंचम का अभिमान, मान-सम्मान, दबदबा था, पर स्वतंत्र भारत में सब सुख-सुविधाओं के बावजूद नयी दिल्ली में जॉर्ज की नाक (मान-सम्मान) नहीं था।

(ग) जितने नार्गे ने कहा, ''मैडम, यहाँ एक पत्थर है, जिस पर गुरु नानक के फुट प्रिंट हैं। कहते हैं यहाँ गुरु नानक की थाली से थोड़े से चावल छिटककर बाहर गिर गए थे। जिस जगह चावल छिटक कर गिरे थे, वहाँ चावल की खेती होती है।

(च) ***टुन्नू :*** कहानी का नायक। उच्चकोटि का गायक। गुणों का ग्राहक। देशभक्त। बलिदान। प्रेमी हृदय।

(ङ) नींद में गाड़ी न चलाएँ। शराब अथवा किसी प्रकार के नशे में गाड़ी न चलाएँ। यातायात के नियमों एवं कर्त्तव्यों का पालन करें।

SET – B

खण्ड - क

1. (क) एरा, आहट $1 + 1 = 2$

(ख) ***बहुव्रीहि समास :*** जिस समास में दोनों पदों में से कोई भी प्रधान न हो। दोनों पद गौण रहकर तीसरे नये अर्थ का बोध कराते हैं। (कोई भी उपयुक्त उदाहरण)। 2

(ग) सह, अन्। 1 + 1 = 2

(घ) अमर, समष्टि 1 + 1 = 2

(ङ) कोई भी ***दो-दो*** पर्यायवाची शब्द। 1 + 1 = 2

(च) गेहूँ, सोना, धतूरा। समय, मृत्यु। 1 + 1 = 2

(छ) कई पदों के योग से बने वाक्यांश को, जो एक ही पद का काम करता है, पदबंध कहते हैं। 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) कोई भी उपयुक्त उदाहरण। 2

3. तथा **4 Set-A** के अनुसार 6, 6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक उचित विकल्प के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 8 = 8$

(क) (iii) बंधन

(ख) (i) परशुराम

(ग) (iii) तोता

(घ) (ii) सुख

(ङ) (iii) बादल

(च) (i) सूरज की किरणों का

(छ) (iv) उपर्युक्त सभी की

(ज) (ii) मुख्य गायक का साथ देने वाला

6. (i) छाया मत छूना (गिरिजा कुमार माथुर) $1 \times 5 = 5$

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) एक धोखा, जो असत्य को सत्य मान लेता है।

(iv) सुख-दुख, दिन-रात, (प्रकाश-अंधकार) का क्रम चलता रहता है।

(v) सुख सम्पत्ति के पीछे भागने से दुख बढ़ता है। वास्तविकता कुछ और है।

7. लक्ष्मण की तेजस्विता, निडरता, वीरता एवं व्यंग्य-क्षमता का वर्णन।2

वीर रस। दोहा छंद। अवधी भाषा। अनुप्रास। व्यंग्यात्मकता। तत्सम-तद्भव शब्द। ओजगुण। भावात्मकता। 2

8. उद्धव का श्रीकृष्ण के समीप होकर भी उनके प्रति प्रेम-बंधन से मुक्त होना। उसके हृदय की उदासीनता एवं अनासक्ति पर व्यंग्य।

अथवा

स्त्री-जीवन के प्रति गहरी संवेदनशीलता की अभिव्यक्ति। परम्परागत आदर्श रूप से हटकर माँ अपनी बेटी को सीख दे रही है। माँ के संचित अनुभवों की पीड़ा की अभिव्यक्ति। 3

खण्ड - ग

9. प्रत्येक सही विकल्प के लिए एक उत्तर : $1 \times 8 = 8$

(क) (iii) पान वाले से

(ख) (i) फागुन

(ग) (iv) सतृष्ण

(घ) (iii) 73

(ङ) (ii) शीला अग्रवाल

(च) (iii) दशम्

(छ) (i) पंचगंगा घाट

(ज) (ii) मार्क्स

10. (i) एक कहानी यह भी (मन्नू भण्डारी) $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(ii) अपनों के द्वारा धोखा दिए जाने के कारण। 1

(iii) काँपना एवं थरथराना। डरी रहना। 1

(iv) स्वयं स्पष्ट है। 1

11. यशपाल : सन् 1903 में फिरोजपुर छावनी (पंजाब) में जन्म। प्रारम्भिक शिक्षा काँगड़ा से; उच्चतर लाहौर से। भगत सिंह एवं सुखदेव से परिचय। स्वाधीनता संग्राम से जुड़े। सन् 1976 में निधन।

कहानी संग्रह : ज्ञानदान। तर्क का तूफान। पिंजरे की उड़ान।

उपन्यास : झूठा सच। अमिता। पार्टी कामरेड। दादा कामरेड़।

साहित्यिक विशेषताएँ : सामाजिक विषमता, राजनीतिक पाखंड और रूढ़ियों के विरुद्ध। देश-विभाजन की त्रासदी का चित्रण। सजीव एवं स्वाभाविक भाषा एवं यथार्थवादी शैली।

अथवा

मन्नू भण्डारी : सन् 1931 में गाँव भानपुरा (जिला मंदसौर म०प्र०) में जन्म। इंटर तक की शिक्षा अजमेर में। एम० ए० हिन्दी। दिल्ली के कॉलेज में अध्यापन कार्य। तत्पश्चात् स्वतंत्र लेखन। अनेक सम्मान।

रचनाएँ : 'एक प्लेट सैलाब,' मैं हार गई; 'यही सच है',

त्रिशंकु (कहानी संग्रह)।

'आपका बंटी; महाभोज (उपन्यास)। 6

पात्रानुकूल एवं प्रसंगानुकूल भाषा। सरल, सहज,

सरस भाषा। स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों की अभिव्यक्ति।

12. यह निबंध सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़े अनेक जटिल प्रश्नों से टकराने की प्रेरणा देता है। सभ्यता संस्कृति का परिणाम है। ये दोनों मानव के लिए कल्याणकारी हैं। 2

खण्ड – घ

13. सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं : $2 \times 5 = 10$

(क) दूसरों के प्रति भेदभाव नहीं। जातिगत भावना नहीं। बात को न छुपाना। रोते-रोते खुश हो जाना आदि।

(ख) जॉर्ज पंचम की नाक मूर्तिमयी होने पर केवल वही खबर अखबारों में छाई रही। किसी उद्घाटन सार्वजनिक सभा, समारोह आदि की खबर नहीं छापी गई।

(ग) तिस्ता नदी के किनारे लकड़ी के बने छोटे से गेस्ट हाउस में जितेन ने गाना गाया। सभी सैलानी गोल घेरा बनाकर पचास वर्षीय मणि के साथ जमकर नाचे। काली मनमोहक रात्रि मानो परियों के नृत्य की कहानी बन गई थी।

(घ) भादों में तीज के अवसर पर खोजवाँ बाजार में कजली-दंगल में दुलारी का टुन्नू से परिचय हुआ। दोनों प्रतिद्वन्द्वी गायक थे।

(ङ) ***'मैं क्यों लिखता हूँ' निबंध का उद्देश्य :*** लेखन-कार्य की प्रक्रिया एवं कारणों पर प्रकाश डालना। बाहरी दबाव एवं आन्तरिक अनुभूति भी लेखन के कारण। हिरोशिमा की घटना का उदाहरण।

SET – C

खण्ड – क

1. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ग) चिर, अन् 1 + 1 = 2

(घ) यथार्थ, कनिष्ठ 1 + 1 = 2

(ङ) कोई ***दो-दो*** पर्यायवाची शब्द। 1 + 1 = 2

(च) डंडा, सजा, डंठल, व्यायाम का एक प्रकार। पर्वत, नगीना। 1 + 1 = 2

(छ) जब शब्द स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त होता है और वाक्य के बाहर होता है तो वह 'शब्द' होता है; किन्तु जब शब्द वाक्य के अंग के रूप में प्रयुक्त होता है तो 'पद' कहलाता है। 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) ***दोहा :*** यह मात्रिक अर्द्धसमछंद है। इसके विषय (प्रथम तथा तीसरे) चरणों में 13-13 मात्राएँ तथा सम (दूसरे तथा चौथे) चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं। 2

3. तथा **4** Set-A के अनुसार। 6, 6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही विकल्प के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 8 = 8$

(क) (ii) रोग

(ख) (iv) तरजनी

(ग) (i) किरीट

(घ) (ii) मधुप

(ङ) (iii) शोभा-श्री

(च) (ii) कवि और बच्चे की

(छ) (iii) तारों भरी चाँदनी रात

(ज) (iii) संगतकार

6. **Set-A** के अनुसार

7. पूर्णिमा की चाँदनी रात का सुंदर चित्रण। उज्ज्वलता। कवित्त छंद। अनुप्रास, उपमा अलंकार। माधुर्यगुण। ब्रजभाषा। तत्सम प्रधान शब्दावली। संगीतात्मकता। प्रवाहमयी एवं भावानुकूल भाषा। 2,2

8. सामान्य व्यक्ति के जीवन की कथा है। कुछ भी ऐसा नहीं, जिसे महान एवं रोचक मानकर लोग वाह-वाह करें।

अथवा

'उत्साह' एक आह्वान गीत है, जो बादल को सम्बोधित है। बादल पीड़ित प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने, नयी कल्पना और नये अंकुर के लिए विध्वंस, विप्लव एवं क्रांन्ति चेतना को सम्भव करने वाला है। 3

खण्ड – ग

9. प्रत्येक सही विकल्प के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 8 = 8$

(क) (ii) कैप्टन की मृत्यु

(ख) (iv) पतोहू से

(ग) (iii) लखनऊ

(घ) (iv) अंतिम

(ङ) (i) 2 वर्ष

(च) (ii) शंकराचार्य

(छ) (iv) दक्षिण

(ज) (i) लेनिन

10. (i) नौबतखाने में इबादत (यतीन्द्र मिश्र) $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

(ii) संगीत के स्वर पर जागना और सोना। 1

(iii) मरण भी मंगल। आनंद कानन। संगीत प्रिय। 1

(iv) सुर-ताल का धनी। साम्प्रदायिक सद्भाव की प्रेरणा। 1

11. **Set-A** के अनुसार। 6

12. उस पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है जो वास्तविकता से बेखबर एवं बनावटी जीवन-शैली का आदी है। परजीवी संस्कृति का भण्डाफोड़ किया है। 2

खण्ड - घ

13. सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं : $2 \times 5 = 10$

(क) माता की भूमिका कम, पिता की अधिक है। अतः अन्य शीर्षक भी सुझाए जा सकते हैं।

(ख) स्वाभिमान-शून्य भारतीय शासकों पर करारा व्यंग्य। अपने महापुरुषों को भूलकर अंग्रेजों के सम्मान में लगे हैं।सरकारी कार्यप्रणाली पर भी व्यंग्य।

(ग) छोटे हाथों को जोड़कर अच्छाइयों को प्रार्थना द्वारा माँगा गया है।

(घ) कहानी की नायिका। गायिका। उपेक्षित। प्रेमी हृदय। टुन्नू के प्रति प्रेम। सच्ची देशभक्त। नियमित व्यायाम। भावुक।

(ङ) जतिन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वही उन्हें बुढ़ापे का सहारा दिखाई देता था। अतः अपना खर्च सीमित करके बड़ी मुश्किल से उसकी पढ़ाई का खर्च उठाते थे।

SET – D

खण्ड – क

1. (क) इक, इमा। 1 + 1 = 2

(ख) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ग) प्र, उत्। 1 + 1 = 2

(घ) निर्माण, विगत/निर्गत 1 + 1 = 2

(ङ) कोई ***दो-दो*** पर्यायवाची शब्द। 1 + 1 = 2

(च) सूर्य, आक, रस। धन, व्याख्या, उद्देश्य। 1 + 1 = 2

(छ) एक या एक से अधिक वर्णों का स्वतंत्र एवं सार्थक ध्वनि समूह। (कोई भी उपयुक्त उदाहरण) 2

2. (क) जहाँ रूप और गुण की अत्यधिक समानता के कारण उपमेय में उपमान का आरोप कर अभेद स्थापित किया जाए। 2

(ख) कोई भी उपयुक्त उदाहरण। 2

3. तथा **4** प्रश्न Set-A के अनुसार। 6,6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही विकल्प के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 8 - 8$

(क) (ii) उद्धव को

(ख) (iv) क्रोधी

(ग) (ii) किंकिनि

(घ) (iii) रीति गागर

(ङ) (i) गर्मी

(च) (ii) शेफालिका

(छ) (i) वस्त्र और आभूषण

(ज) (ii) गीत की मुख्य टेक

6. (i) गिरिजा कुमार माथुर, 'छायामत छूना' 1

(ii) स्वयं स्पष्ट है। 1

(iii) सुखों की 1

(iv) मीठी-मधुर स्मृतियों की गंध। 1

(v) सुख से भरे क्षणों का व्यतीत हो जाना। 1

7. बाल श्रीकृष्ण का रूप-सौंदर्य।

सवैया छंद। ब्रजभाषा। अनुप्रास, रूपक। माधुर्य गुण। गेयता। प्रवाहमयी भाषा। विषयानुकूलता। 2,2

8. गोपियों को योग-साधना निरर्थक, कड़वी ककड़ी की भाँति अरूचिकर, व्यथा बढ़ाने वाली, ग्रहण न करने योग्य एवं राज-धर्म के विरुद्ध' लगती है। 3

अथवा

Set-B के अनुसार

खण्ड – ग

9. प्रत्येक सही विकल्प के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 8 = 8$

(क) (ii) मास्टर जी बनाना भूल गए

(ख) (iii) 30 कोस

(ग) (ii) भद्रपुरुष

(घ) (iii) 1982

(ङ) (iii) ब्रह्मपुरी

(च) (ii) प्राकृत

(छ) (i) दो

(ज) (ii) असंस्कृति

10. (i) बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी) $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

(ii) खेती बाड़ी 1

(iii) कबीर को 1

(iv) झूठ न बोलना खरा व्यवहार। साधु प्रवृत्ति (किन्हीं ***दो*** का उल्लेख) 1

11. **Set-B** के अनुसार 6

12. फ़ादर कामिल बुल्के के जीवन की प्रमुख घटनाओं एवं उनके व्यक्तित्व के उदान्त गुणों का उल्लेख। 2

खण्ड - घ

13. सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं : $2 \times 5 = 10$

(क) मैया भोलानाथ के सिर पर सरसों का तेल डालती। कागज़ की बिन्दी माथे पर लगाती। चोटी गूंथी जाती और रंगीन कुर्त्ता-टोपी पहनाकर गोद में सिसकते भोलानाथ को कन्हैया बनाया जाता था।

(ख) मूर्तिकार ने सभापति को बताया कि देश के नेताओं की मूर्तियों की लाट है। जॉर्ज पंचम की लाट पर उनमें से ही किसी की उचित माप की नाक लगा दी जाए।

(ग) कटाओ सिक्किम का मनोरम स्थल है। वह स्विटज़रलैण्ड से भी अधिक पर्वतीय ऊँचाई पर है। और अधिक प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। इसलिए कटाओं को हिन्दुस्तान का स्विटज़रलैण्ड कहा जाता है।

(घ) लेखक ने यहाँ तथा कथित समाज की मुख्यधारा से बहिष्कृत और उपेक्षित समझे जाने वाले वर्ग के अन्तर्मन में व्याप्त जन्मभूमि के प्रति असीम प्रेम, विदेशी शासन के प्रति क्षोभ और पराधीनता के जुए को फेंकने की उत्कट लालसा और आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को रेखांकित किया है।

(ङ) **Set-B** के अनुसार।